वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 269 शुक्रवार 20 फरवरी 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ पेज 2 पर

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

राजस्थान विश्वविद्यालय में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती समारोह आयोजित

शिवाजी विश्व के अपराजेय योद्धा: बागड़े

शिवाजी महाराज ने निरंतर युद्ध लड़े, आदिलशाही सल्तनत को समाप्त किया

नई पीढ़ी भारत के गौरवमय इतिहास से वंचित

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज विश्व के अपराजेय ऐसे योद्धा थे जिन्होंने निरंतर युद्ध लड़े और मुगल सल्तनत को चुनौती दी। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन प्रसंगों के आलोक में मातृभूमि के लिए संकल्पित होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज की स्मृति ही जोश जगाने वाली है। बागड़े गुरुवार को राजस्थान विश्वविद्यालय में छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर आयोजित समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इतिहास में भारतीय दृष्टि आरम्भ से ही गौण रही है। इसलिए हमारे देश के योद्धाओं, वीरों का इतिहास पूरी सच्चाई से लिखा नहीं गया। इसी से नई पीढ़ी भारत के गौरवमय इतिहास से वंचित है। शिवाजी जयंती समारोह की राजस्थान में इसलिए शुरूआत की गई है कि हम उनके जीवन आलोक से प्रेरणा ले सकें। राज्यपाल ने शिवाजी महाराज के जीवन से जुड़े पक्षों की विस्तार से चर्चा करते हुए उनके वंश और मूल जन्म स्थान आदि के

बारे में जानकारी दी। उन्होंने शिवाजी महाराज के पिता शाहजी और तत्कालीन इतिहास से जुड़ी घटनाओं, शिवाजी की माता जीजाबाई और शिवाजी के रण कौशल को महत्वपूर्ण और प्रेरणादाई बताया।

बागड़े ने कहा कि अफजल खान जब शिवाजी महाराज को पकड़ने आया था तब वह प्रतापगढ़ में थे। शिवाजी ने उसे बहुत वीरता से वाघ-नख के वार से मार डाला। बीजापुर के आदिलशाही साम्राज्य को अपनी कुशल युद्धनीति, गोरिल्ला तकनीक और साहस से कमजोर कर शिवाजी महाराज ने कोंकण और पुणे के कई महत्वपूर्ण किले जीते। बीजापुर की सेना को कई बार हराया, जिससे आदिलशाही सल्तनत अंततः सिमट गई।

राजस्थान की शौर्य धरा से सीख लें युवा

बागड़े ने राजस्थान की शौर्य धरा से भी युवाओं को सीख लेने का आह्वान किया। उन्होंने बप्पा रावल को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने मोहम्मद बिन कासिम को सबसे पहले खदेड़ा। इसके डेढ़ सौ, दो सौ साल तक मुगलों ने भारत की ओर नहीं देखा। उन्होंने राजस्थान के शेखावाटी अंचल की चर्चा करते हुए कहा कि वहां एक एक गांव के सैकड़ों सैनिक माँ भारती की सेवा के लिए सेना में जाते हैं।

भारत के गौरवमय इतिहास से जुड़ें विद्यार्थी

छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन आलोक से प्रेरणा लेते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को भारत के गौरवमय इतिहास से जुड़ने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले पेकिंग झील के तट पर शिवाजी महाराज की घोड़े पर सवार प्रतिमा स्थापित की गई है। सैनिकों को जोश दिलाती यह प्रतिमा एलओसी के पास इसीलिए लगाई है कि सदा भारतीय सैनिकों को प्रेरणा मिलती रहे।

इससे पहले केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान के कुलगुरु आनंद राव भाले ने छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन, उनके युद्ध कौशल, ओरंगजेब द्वारा उनकी वीरता को लेकर कही गई बातों और इतिहासकारों द्वारा उनकी प्रशंसा में लिखे इतिहास के आलोक में मुख्य वक्तव्य दिया। राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. अल्पना कटेजा ने स्वागत भाषण दिया।

गूंजी छत्रपति शिवाजी महाराज की शौर्यगाथा

राज्यपाल बागड़े ने दी पुष्पांजलि

जयपुर. कासं

आगरा का ऐतिहासिक किला एक बार फिर मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। अवसर था शिवाजी महाराज की 396वीं जयंती का, जिसे आगरा किले के दीवान-ए-आम और जहांगीर महल परिसर में बेहद भव्यता के साथ मनाया गया। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने इस गरिमामयी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और राष्ट्रनायक को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस गौरवशाली उत्सव में राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े के साथ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल और उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने भी

शिरकत की। साथ ही महाराष्ट्र के संस्कृति मंत्री आशीष शेलार और अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। समारोह में उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र सरकारों के बीच एक अनूठा सांस्कृतिक सेतु देखने को मिला। राज्यपाल बागड़े ने आयोजन के दौरान उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि शिवाजी महाराज केवल महाराष्ट्र के ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारत के स्वाभिमान और वीरता के प्रतीक हैं। उन्होंने आगरा किले के ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, ''यही वह स्थान है जहां शिवाजी महाराज ने औरंगजेब की सत्ता को चुनौती दी थी और अपनी बुद्धिमत्ता व अदम्य साहस से यहां की कैद से मुक्त होकर स्वराज्य की स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया था।''

महावीर इंटरनेशनल ने पेश की मानवता की मिसाल

53 जरूरतमंद कन्याओं के हाथ किए पीले

बांसवाड़ा (सुरेश चंद्र गांधी, नौगामा)

महावीर इंटरनेशनल 'माही वीरा' और 'महावीर इंटरनेशनल वीर' बांसवाड़ा के संयुक्त तत्वाधान में आज सेवा और समर्पण का एक अनूठा संगम देखने को मिला। संस्था द्वारा आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में जरूरतमंद बालिकाओं को कन्यादान सामग्री का वितरण किया गया।

संतों का सानिध्य और आशीर्वाद

कार्यक्रम का आयोजन बड़ा रामद्वारा के संत श्री राम प्रकाश जी महाराज के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ। महाराज श्री ने अपने आशीर्वचनों में बालिकाओं को सुखी दांपत्य जीवन का आशीर्वाद दिया और संस्था के सेवा कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर दूर-दराज के गांवों से आई जरूरतमंद बेटियों का सम्मानपूर्वक कन्यादान किया गया।

दहेज मुक्त समाज की ओर एक कदम

संस्था की ओर से प्रत्येक बालिका को गृहस्थी के लिए आवश्यक सामग्री भेंट की गई, जिसमें साड़ियां, पैंट-शर्ट, बेडशीट, कंबल, श्रृंगार का सामान, कांटा और बिछुआ आदि शामिल थे। सचिव आशा मित्तल ने जानकारी दी कि संस्था अब तक 48 कन्यादान सफलतापूर्वक संपन्न करा चुकी है। आज 5 और बेटियों के कन्यादान के साथ यह संख्या बढ़कर 53 हो गई है। उन्होंने संस्था की आगामी गतिविधियों पर भी प्रकाश डाला।

'सबकी सेवा-सबको प्यार' का संकल्प

भुवनेश्वरी मालोत (संरक्षक, माही वीरा): अतिथियों का स्वागत करते हुए उन्होंने 'सबकी सेवा-सबको प्यार' के मूल मंत्र पर चलने का आह्वान किया।

मनोज सेठ (सचिव, माही वीर): उन्होंने कहा कि मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य ही दूसरों की सेवा करना है।

महेंद्र जी (विशिष्ट अतिथि): उन्होंने नवविवाहित बालिकाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और सामाजिक समस्याओं के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी।

इनका रहा विशेष सहयोग

कार्यक्रम की अध्यक्षता गीता चौधरी ने की और सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। इस पुनीत कार्य को सफल बनाने में विमल कोठारी, सुधा तलवाडिया, कांता भाटी, मनभरी चौधरी, हेमलता ओझा, निकिता दोषी, बीना गुप्ता, संध्या लोकवानी, अनीता रोकडिया, दर्शिका, उषा पोरवाल, मंगला चौबीसा और आशा अग्रवाल सहित कई सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा।

आज 20 फरवरी को होगा आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ससंघ का मंगल प्रवेश, जहाजपुर में धार्मिक उत्साह

जहाजपुर. शाबाश इंडिया

स्वस्तिधाम जहाजपुर में 20 फरवरी को प्रातः बेला में जैन समाज के तपस्वी संत आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ससंघ का मंगल प्रवेश होगा। इस अवसर को लेकर क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का वातावरण है तथा स्वस्तिधाम क्षेत्र समिति स्वागत तैयारियों में जुटी हुई है। आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ने 21 जुलाई 2021 से 28 जनवरी 2023 के मध्य 496 दिनों की कठोर तप साधना करते हुए मात्र 61 दिनों में ही आहार ग्रहण किया। इसी अवधि में उन्होंने 557 दिनों तक मौन साधना कर आध्यात्मिक तपस्या का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। यह तप साधना उन्होंने झारखंड स्थित पवित्र तीर्थ पारसनाथ पर्वत (सम्मेद शिखर) पर संपन्न की। आचार्य श्री ने 6 मई 2023 को जैनाचार्य परंपरा के महान संत आचार्य विद्यासागर महाराज के चरण पखारकर आजीवन शक्कर एवं चटाई का त्याग करने का संकल्प लिया था। त्याग, तप और साधना के लिए विख्यात आचार्य प्रसन्न सागर अब तक 4000 से अधिक उपवास कर चुके हैं तथा एक लाख

वर्षों से संतों, विद्वानों और आचार्यों को सुनने के बाद भी यदि जीवन में परिवर्तन नहीं आता, तो इसका कारण हमारा स्वार्थ है। धर्म का मर्म अहिंसा, संयम, दया, मैत्री, सद्भाव और परोपकार है, जबकि आज हम प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड़ में एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश कर रहे हैं। जहाँ प्रतिस्पर्धा शुरू होती है, वहीं प्रेम और अपनापन समाप्त होने लगता है।

किलोमीटर से अधिक पदयात्रा कर धर्म प्रभावना का कार्य कर चुके हैं। उनके संघ में वर्तमान में 9 मुनि महाराज एवं 7 आर्यिका माताजी विहाररत हैं। 20 फरवरी को प्रातःकाल स्वस्तिधाम में स्वागत समारोह, शोभायात्रा एवं धर्मसभा का आयोजन प्रस्तावित है। क्षेत्र समिति द्वारा साफ-सफाई, स्वागत द्वार निर्माण, सजावट एवं श्रद्धालुओं की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसी क्रम में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ने कहा कि यह आवश्यक नहीं कि सभी लोग हमें देखें, सुनें और समझ भी लें, क्योंकि तराजू केवल वजन बता सकती है, गुणवत्ता नहीं। सच तो यह है कि अभी हमें देखना, सुनना और समझना सीखना बाकी है। हम वही देखते हैं जो सब देख रहे होते हैं, वही सुनते हैं जो हमारी धारणाओं को मजबूत करता है। जो हमें बदल सकता है, उसे हम सुनना ही नहीं चाहते। वर्षों से संतों, विद्वानों और आचार्यों को सुनने के बाद भी यदि जीवन में परिवर्तन नहीं आता, तो इसका कारण हमारा स्वार्थ है। धर्म का मर्म अहिंसा, संयम, दया, मैत्री, सद्भाव और परोपकार है, जबकि आज हम प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड़ में एक-दूसरे से आगे निकलने की कोशिश कर रहे हैं। जहाँ प्रतिस्पर्धा शुरू होती है, वहीं प्रेम और अपनापन समाप्त होने लगता है।

– नरेंद्र अजमेरा, पियूष कासलीवाल, औरंगाबाद

पदमपुरा पंचकल्याणकः 'बाजे अयोध्या नगरी में बधाई, आदि कुमार जन्में...' के जयघोष से गूंजा तीर्थ क्षेत्र

पदमपुरा (जयपुर). शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में नवनिर्मित खड़गासन चौबीसी जिन प्रतिमाओं के पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव के दूसरे दिन गुरुवार को 'जन्म कल्याणक' का आयोजन अपार श्रद्धा और भक्ति के साथ किया गया। तीर्थंकर बालक आदि कुमार के जन्मोत्सव और अभिषेक के दृश्यों को निहारने के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा।

सौधर्म इंद्र का आसन डोला, अयोध्या में छाई खुशहाली

वात्सल्य वारिधि आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज, गणिनी आर्यिका सरस्वती माताजी एवं गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी के सानिध्य में प्रतिष्ठाचार्य पं. हंसमुख जैन धरियावद ने मांगलिक क्रियाएं संपन्न कराईं। प्रातः काल महाराजा नाभिराय (महावीर पहाड़िया) एवं माता मरुदेवी (शशि पहाड़िया) के यहाँ तीर्थंकर बालक का जन्म होते ही पूरा पांडाल ''माता के लल्ला हो गया, क्या कहिये क्या कहिये...'' के गीतों से झूम उठा। स्वर्ग में सौधर्म इंद्र (सुरेन्द्र पाण्डया) का आसन कंपायमान हुआ, जिसके बाद कुबेर (पारस पाटनी) का आगमन और ऐरावत हाथी की रचना के साथ बाल तीर्थंकर को पांडुक शिला ले जाने के मनोहारी दृश्य प्रस्तुत किए गए।

1008 कलशों से हुआ जन्माभिषेक

दोपहर में विशाल जन्मोत्सव शोभायात्रा निकाली गई। लवाजमे और बैंड-बाजों के साथ निकली इस यात्रा में सौधर्म इंद्र ऐरावत हाथी पर बाल तीर्थंकर को लेकर सुमेरु पर्वत (पांडुक शिला) की ओर प्रस्थान कर रहे थे। पीछे इंद्र-इंद्राणियों की बग्घियां और नाचते-गाते श्रद्धालुओं की भीड़ भक्ति का अनुपम दृश्य प्रस्तुत कर रही थी। पांडुक शिला पर तीर्थंकर बालक का 1008 कलशों से पवित्र अभिषेक किया गया।

आचार्य श्री का संदेश और 120वीं दीक्षा

धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने कहा कि तीर्थंकर का जन्म केवल एक परिवार के लिए नहीं, बल्कि तीनों लोकों के कल्याण के लिए होता है। इसी अवसर पर आचार्य श्री ने अपनी 120वीं दीक्षा के रूप में वासूपूज्य मति (मनोरमा देवी) को आर्यिका दीक्षा प्रदान की।

विशेष अतिथिः विधायक कालीचरण सराफ ने भी सपरिवार दर्शन कर आचार्य संघ से आशीर्वाद प्राप्त किया।

आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा

महोत्सव समिति के अध्यक्ष सुधीर जैन और महामंत्री हेमंत सोगानी ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दीः

शुक्रवार, 20 फरवरी (तप कल्याणक): राज्याभिषेक, नीलांजना नृत्य, वैराग्य और दीक्षा विधि की क्रियाएं होंगी। रात्रि में 'वज्रबाहु का वैराग्य' नाटिका का मंचन होगा।

शनिवार, 21 फरवरीः केवलज्ञान कल्याणक की क्रियाएं।

रविवार, 22 फरवरी (मोक्ष कल्याणक): रथयात्रा, वेदी प्रतिष्ठा और 111 फीट ऊंची धर्म ध्वजा का आरोहण। इसी दिन मुन्ना लाल टकसाली जी की जैनेश्वरी दीक्षा भी संपन्न होगी।

सायंकाल आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में तीर्थंकर बालक को पालना झुलाने का सौभाग्य सुभाष जैन जौहरी परिवार को प्राप्त हुआ, जिसके लिए श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखा गया।

वेद ज्ञान

चीन की नई कूटनीति...

कांतिलाल मांडोत

हाल के वर्षों में उपग्रह तस्वीरों और अंतर्राष्ट्रीय रिपोर्टों ने चौंकाने वाले संकेत दिए हैं। चीन अपने सामरिक ढांचे को अभूतपूर्व गति से मजबूत कर रहा है। दक्षिण-पश्चिमी प्रांतों के दुर्गम पहाड़ों के भीतर बने विशाल बंकर, भूमिगत सुरंगें और अत्याधुनिक सैन्य सुविधाएं इस ओर इशारा करती हैं कि बीजिंग अपनी दीर्घकालिक रणनीति पर मौन रहकर कार्य कर रहा है। ऐसे में, जब वह भारत के साथ संबंधों को सामान्य बनाने की बात करता है, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या चीन वास्तव में एक भरोसेमंद साझेदार बनना चाहता है या यह उसकी किसी गहरी सामरिक चाल का हिस्सा है? भारत और चीन के संबंधों में अविश्वास की जड़ें बहुत गहरी हैं। 1962 का आक्रमण दोनों देशों के बीच एक ऐसी स्थायी दीवार खड़ी कर गया जिसे आज तक ढहाया नहीं जा सका है। समय-समय पर वास्तविक नियंत्रण रेखा पर होने वाले तनाव और झड़पों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बीजिंग की 'शांति की बातों' और 'जमीनी हकीकत' के बीच एक बड़ा अंतराल है। चीन ने हमेशा शांति और सहयोग का मुखौटा पहनकर समानांतर रूप से अपनी सैन्य शक्ति का विस्तार किया है। चीन की विदेश नीति तात्कालिक भावनाओं के बजाय दशकों आगे की योजना पर आधारित होती है। चाहे दक्षिण चीन सागर हो, ताइवान का मुद्दा हो या हिमालयी सीमा; उसकी नीति हमेशा शक्ति संतुलन को अपने पक्ष में झुकाने की रही है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में चीन कई मोर्चों पर दबाव झेल रहा है। अमेरिका के साथ व्यापारिक युद्ध और तकनीकी प्रतिबंधों ने उसे नए सहयोगियों की तलाश के लिए मजबूर किया है। भारत, जो एक उभरती हुई आर्थिक और सामरिक शक्ति है, उसके साथ टकराव फिलहाल चीन के वैश्विक हितों के अनुकूल नहीं है। इसलिए, संभव है कि वह 'सीमित सहयोग और नियंत्रित प्रतिस्पर्धा' की नीति अपना रहा हो ताकि एक साथ कई मोर्चों पर संघर्ष से बचा जा सके। चीन की नीतियों में सबसे बड़ी बाधा पारदर्शिता का अभाव है। उसके परमाणु ढांचे और सैन्य तैयारियों की जानकारी बाहरी दुनिया के लिए हमेशा रहस्य बनी रहती है।

संपादकीय

समावेशी भविष्य का संकल्प

20 फरवरी का दिन पंचांग में कई मायनों में महत्वपूर्ण है। जहां भारत में यह अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम के स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है, वहीं वैश्विक स्तर पर यह 'विश्व सामाजिक न्याय दिवस' के रूप में चिह्नित है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित यह दिवस सामाजिक समानता, मानवाधिकार, और न्यायपूर्ण समाज के निर्माण का एक वैश्विक आह्वान है। यद्यपि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में इसकी घोषणा की थी, लेकिन

इसकी वैचारिक नींव 1995 के कोपेनहेगन सम्मेलन में रखी गई थी। वहां दुनिया के नेताओं ने स्वीकार किया था कि गरीबी उन्मूलन केवल दान का विषय नहीं, बल्कि मानवाधिकारों की रक्षा का एक अनिवार्य हिस्सा है। सामाजिक न्याय का अर्थ केवल कानूनी बराबरी नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध संसाधनों (शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार) के न्यायपूर्ण वितरण और भेदभाव रहित समाज से है। आज की वास्तविकता यह है कि दुनिया के 60% से अधिक मजदूर बिना किसी लिखित अनुबंध या सामाजिक सुरक्षा के काम कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन इस दिशा में 'सम्मानजनक कार्य' की अवधारणा को मजबूत करने के लिए प्रयासरत है। वर्तमान में अमीर और गरीब के बीच बढ़ती खाई वैश्विक शांति के लिए एक बड़ा खतरा बन गई है। यदि किसी समाज में बेरोजगारी और भेदभाव चरम पर हो, तो वहां अपराध और अशांति की संभावना बढ़ जाती है। संचार क्रांति और कृत्रिम मेधा के इस युग में सामाजिक न्याय की परिभाषा अब केवल 'रोटी-कपड़ा-मकान' तक सीमित नहीं रही है। अब इसमें 'डिजिटल सामाजिक न्याय' का अध्याय जुड़ गया है। आज भी दुनिया की लगभग एक-तिहाई आबादी इंटरनेट की बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। तकनीक के दौर में इंटरनेट तक पहुंच न होना एक बड़ा सामाजिक अन्याय है, क्योंकि यह शिक्षा और रोजगार के अवसरों को सीमित कर देता है। समावेशी विकास के लिए इस तकनीकी अंतर को भरना आज की बड़ी जरूरत है। वर्ष 2025 का मुख्य विषय 'बाधाओं को दूर करना' था, वहीं इस वर्ष यानी 2026 के लिए यह 'साझा भविष्य के लिए असमानताओं को पाटना' रखा गया है। यह विषय स्पष्ट करता है कि हमें न केवल पारंपरिक मुद्दों को सुलझाना है, बल्कि तकनीकी युग में पैदा हो रही नई असमानताओं को भी खत्म करना होगा। विश्व सामाजिक न्याय दिवस महज एक वार्षिक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि एक वैश्विक संकल्प है। यह हमें याद दिलाता है कि स्थायी शांति और सुरक्षा तभी संभव है जब समाज के सबसे कमजोर वर्ग को मुख्यधारा में शामिल किया जाए। सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संगठनों और हम नागरिकों का भी सामूहिक दायित्व है। जब तक अंतिम व्यक्ति को सम्मान और अवसर नहीं मिलता, तब तक वैश्विक विकास का पहिया अधूरा है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

न्याय बने विकास की असली कसौटी

योगेश कुमार गोयल

किसी भी समाज की सच्ची प्रगति उसकी ऊंची इमारतों या तेज जीडीपी विकास दर से नहीं, बल्कि इस बात से मापी जानी चाहिए कि वह अपने सबसे कमजोर, वंचित और हाशिए पर खड़े नागरिकों को कितना सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन प्रदान करता है। प्रतिवर्ष 20 फरवरी को मनाया जाने वाला ''विश्व सामाजिक न्याय दिवस'' उसी मानवीय चेतना का प्रतीक है, जिसके बिना न तो स्थायी शांति संभव है और न ही समावेशी विकास। इस दिवस की स्थापना गरीबी, बेरोजगारी, सामाजिक बहिष्कार और असमानता जैसी जटिल वैश्विक समस्याओं के समाधान हेतु साझा प्रतिबद्धता दोहराने के लिए की गई थी। यह एक चेतावनी भी है कि बढ़ती आर्थिक और सामाजिक खाइयाँ समाज की नींव को कमजोर कर रही हैं।

समावेशन से सशक्तिकरण

वर्ष 2026 के लिए इस दिवस की थीम ''समावेशन को सशक्त बनानाः सामाजिक न्याय के लिए अंतर को पाटना'' रखी गई है। यह थीम स्पष्ट करती है कि केवल आर्थिक आँकड़े पर्याप्त नहीं हैं; विकास की प्रक्रिया में समाज के हर वर्ग की वास्तविक भागीदारी अनिवार्य है। समावेशन का अर्थ केवल सरकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाना नहीं, बल्कि निर्णय-निर्माण की प्रक्रिया में उन लोगों की आवाज को स्थान देना है, जो सदियों से हाशिए पर रहे हैं। जब तक नीतियां केवल सत्ता के केंद्रों में बनती रहेंगी और उनका प्रभाव जमीनी धरातल तक नहीं पहुँचेगा, सामाजिक न्याय का लक्ष्य अधूरा ही रहेगा।

संक्रमण काल और नई चुनौतियाँ

आज की दुनिया एक गहरे संक्रमणकाल से गुजर रही है। वैश्वीकरण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जलवायु परिवर्तन और भू-राजनीतिक तनावों ने आर्थिक ढांचों को पूरी तरह बदल दिया है। दुर्भाग्यवश, इन बदलावों का लाभ कुछ सीमित वर्गों तक सिमट गया है, जबकि असंगठित क्षेत्र के श्रमिक, महिलाएँ, प्रवासी और दिव्यांगजन और अधिक असुरक्षित हो गए हैं। ऐसे समय में सामाजिक न्याय केवल एक नैतिक आदर्श नहीं, बल्कि सुशासन की अनिवार्य प्राथमिकता बन चुका है।

न्याय के मूल स्तंभः अवसर और सुरक्षा

सामाजिक न्याय का अर्थ परिणामों की समानता नहीं, बल्कि अवसरों की समानता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और कानूनी सुरक्षा तक समान पहुँच इसके मूल स्तंभ हैं। जब किसी व्यक्ति का भविष्य उसकी जाति, लिंग, धर्म या आर्थिक स्थिति से तय होने लगे, तो समझ लेना चाहिए कि न्याय का संतुलन बिगड़ चुका है। आज एक ओर संसाधनों की प्रचुरता है, तो दूसरी ओर करोड़ों लोग बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्षरत हैं। इसी संदर्भ में सम्मानजनक कार्य और मजबूत सामाजिक सुरक्षा तंत्र (पेंशन, स्वास्थ्य बीमा, खाद्य सुरक्षा) की आवश्यकता बढ़ जाती है। ये केवल कल्याणकारी योजनाएं नहीं, बल्कि सामाजिक स्थिरता की आधारशिला हैं। भारत में सामाजिक न्याय का विचार गहरा और संवैधानिक है। संविधान की प्रस्तावना ''सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय'' की गारंटी देती है। आजादी के बाद से आरक्षण, शिक्षा का अधिकार और विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

सी.आर.डी.ए.वी. संस्थान में दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का शानदार आयोजन

(रमेश भार्गव)

ऐलनाबाद. शाबाश इंडिया। सी.आर.डी.ए.वी गर्ल्स कॉलेज एवं सी.आर.डी.ए.वी गर्ल्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय एनुअल स्पोर्ट्स मीट स्पर्धा-2026 का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन गर्ल्स कॉलेज के प्राचार्य डॉ. भूषण मोंगा तथा एजुकेशन कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रणजीत सिंह के कुशल मार्गदर्शन में असिस्टेंट प्रोफेसर गुरप्रीत कौर एवं सोनाली द्वारा किया गया। खेलकूद प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कोच (डेमोंस्ट्रेटर पोस्ट) प्रवीण कुमार, पैरालंपिक खिलाड़ी ज्ञान सिंह तथा भगत सिंह स्कूल, संतनगर के प्राचार्य नवप्रीत सिंह उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन ईश कुमार मेहता, गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष जगदीश मेहता, एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर करुण मेहता, सी.आर.डी.ए.वी स्कूल के प्राचार्य कमल मेहता तथा मैनेजमेंट सदस्य डॉली मेहता भी मौजूद रहे। प्रतियोगिता का शुभारंभ छात्राओं द्वारा किए गए भव्य मार्च पास्ट से हुआ। इसके पश्चात मुख्य अतिथियों ने खेल मशाल प्रज्वलित कर प्रतियोगिता की औपचारिक घोषणा की। कार्यक्रम का प्रभावी मंच संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर दीपशिखा मेहता, अनंत कथूरिया एवं अर्जुन सिंह द्वारा किया गया। स्पोर्ट्स मीट के दौरान 100 मीटर, 200 मीटर एवं 400 मीटर दौड़, हैमर थ्रो, जेवलिन थ्रो, डिस्कस थ्रो, थ्री-लेग रेस, सैक रेस (बोरा दौड़), कबड्डी, क्रिकेट तथा बैडमिंटन सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. भूषण मोंगा एवं डॉ. रणजीत सिंह ने छात्राओं को संबोधित करते हुए जीवन में खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि खेल न केवल शारीरिक विकास के लिए आवश्यक हैं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्पोर्ट्स मीट के सफल आयोजन में अध्यापक बंसीलाल एवं कृपाल सिंह का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर असिस्टेंट प्रोफेसर इंदु बाला, कवलजीत कौर, प्रभजोत कौर, शैफी सरदाना, सिमरन कौर, जैस्मिन, महक, रितु, देवजोत, पूजा, चारु, आराधना मेहता, शालू मेहता, दीपिका, सपना, कुसुम, पूनम, जितेंद्र, करण, दिलप्रीत सहित अन्य स्टाफ सदस्यों का सराहनीय सहयोग रहा।

Mahaveer Public School
Vardhman Path, Mahaveer Marg, C-Scheme, Jaipur

JEE (Mains) 2025-26 Result (Round-1)

Heartiest Congratulations to Our JEE Mains Achievers.

We are immensely proud to share that our brilliant students have cracked the JEE Mains Examination (2025-26):

S. No.	Name	Percentile
1.	Tanmay Agarwal	99.94
2.	Dhruv Kaushal	99.06
3.	Ojas singh	98.90
4.	Neha Parwani	98.80
5.	Vivek Joshi	98
6.	Maithili Gupta	96.80
7.	Harsh Hariramani	96.44
8.	Rishiraj Sharma	96
9.	Chirag Choudhary	95.58
10.	Krishna Porwal	95.55
11.	Harshal Jain	93
12.	Hanish Agarwal	93
13.	Krishna Agarwal	91.37
14.	Ramansh Choudhary	91.29
15.	Jayant Joshi	90

This is a big milestone and we are proud of your achievement.

Best Wishes !!

Umrao Mal Sanghi, President | Sunil Bakhshi, Secretary | Mahesh Kala, Treasurer

Sudeep Tholia, Convenor | Seema Jain, Principal

माही शाह ने बालिका छात्रावास में भोजन सेवा के साथ मनाया जन्मदिवस

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजधानी के आदिनाथ मित्र मंडल द्वारा सेवा और समर्पण की अनूठी मिसाल पेश की गई। संस्था के सक्रिय सदस्य आशीष और पिंकी शाह के सहयोग से सांगानेर स्थित श्रमण संस्कृति संस्थान द्वारा संचालित बालिका छात्रावास में छात्राओं के लिए विशेष भोजन सेवा का आयोजन किया गया।

पारिवारिक गरिमा के साथ सेवा कार्य

संस्था के संरक्षक राकेश गोदिका ने जानकारी दी कि यह कार्यक्रम सुश्री माही शाह के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। इस अवसर पर माही के दादा-दादी, श्री महेंद्र शाह एवं श्रीमती सुनीता देवी शाह सहित परिवार के अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। परिवार ने छात्राओं के साथ समय बिताया और उन्हें स्नेहपूर्वक भोजन परोसा।

आदिनाथ मित्र मंडल का निरंतर सेवा संकल्प

संस्था के मंत्री राजेंद्र बाकलीवाल ने बताया कि आदिनाथ मित्र मंडल अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति सदैव सजग रहता है। संस्था द्वारा समय-समय पर श्रमण संस्कृति संस्थान के बालक एवं बालिका छात्रावासों में विद्यार्थियों के लिए भोजन प्रसादी एवं अन्य सहायता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है। संस्था के सदस्यों का मानना है कि उत्सवों को सेवा कार्य के साथ जोड़ना न केवल समाज के लिए हितकारी है, बल्कि इससे नई पीढ़ी में भी परोपकार के संस्कार पुष्ट होते हैं।

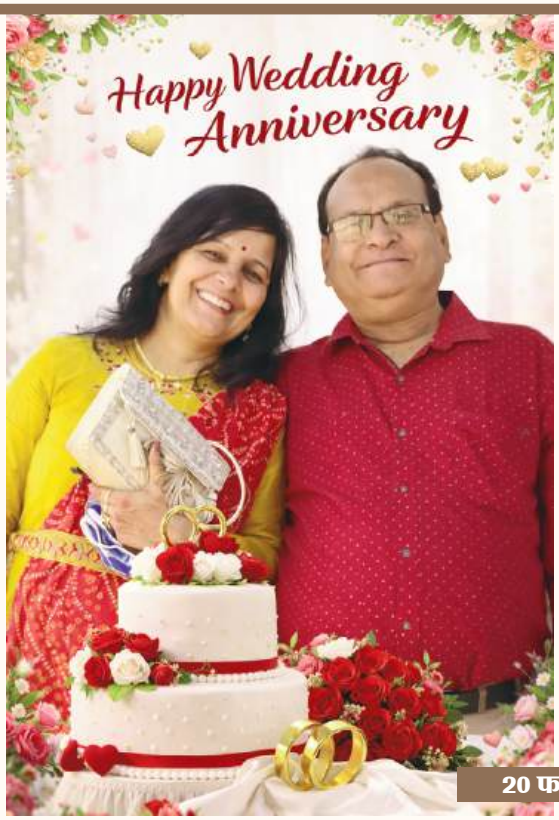

20 फरवरी

दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल निवाई संभाग की कर्मठ कार्यकर्ता

श्रीमती शशि जी एवं श्रीमान महावीर जी सोगानी

को वैवाहिक वर्षगांठ की बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनायें

शुभेच्छु: शकुंतला जैन बिंदायका, अध्यक्ष सुनीता गंगवाल, सचिव उर्मिला जैन, कोषाध्यक्ष एवं समस्त सदस्य दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल राजस्थान

पीडियाट्रिक सर्जरी वर्कशॉप में कोटा के वरिष्ठ सर्जन डॉ. समीर मेहता सम्मानित

उदयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जन्स (फ्आढर) एवं पेसिफिक मेडिकल कॉलेज, उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'मिनिमल इनवेसिव सर्जरी वर्कशॉप' (शिशु लेप्रोस्कोपिक सर्जरी कार्यशाला) सफलतापूर्वक संपन्न हुई। इस उच्च स्तरीय कार्यशाला में देश-विदेश के विख्यात विशेषज्ञों ने शिरकत की। कार्यशाला के संयोजक डॉ. प्रवीण झंवर ने बताया कि इस आयोजन में देश-विदेश के जाने-माने शिशु शल्य चिकित्सकों को 'गेस्ट फैकल्टी' के रूप में आमंत्रित किया गया था। विशेषज्ञों ने जटिल सर्जरी के लाइव ऑपरेशन कर जूनियर डॉक्टरों को शिशु लेप्रोस्कोपिक सर्जरी (मिनिमल इनवेसिव) की आधुनिक तकनीकों और बारीकियों से अवगत कराया।

डॉ. समीर मेहता को विशेष सम्मान

कोटा के सुप्रसिद्ध एवं वरिष्ठ शिशु शल्य चिकित्सक डॉ. समीर मेहता को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए कार्यशाला में विशेष सम्मान से नवाजा गया। डॉ. मेहता ने कोटा एवं हाड़ौती क्षेत्र में अब तक 5000 से अधिक बच्चों के सफल एवं जटिल ऑपरेशन कर चिकित्सा जगत में एक विशिष्ट मुकाम हासिल किया है। उनके साथ ही अमेरिका के डॉ. अश्विन, वाराणसी की डॉ. चारू और जोधपुर के डॉ. राहुल सक्सेना को भी उनके विशेष कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

युवा डॉक्टरों को दिया स्वरोजगार का मंत्र

सम्मान समारोह के उपरांत डॉ. समीर मेहता ने अपने प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) के माध्यम से जूनियर डॉक्टरों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि युवा चिकित्सक किस प्रकार कम से कम लागत में अपने स्वयं के निजी शिशु सर्जिकल अस्पताल या नर्सिंग होम स्थापित कर सकते हैं। डॉ. मेहता ने छोटे केंद्रों पर भी सीमित संसाधनों के साथ जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक करने के व्यावहारिक गुर सिखाए, ताकि सुदूर क्षेत्रों तक बेहतर चिकित्सा सुविधा पहुँच सके।

वनस्पति शास्त्री प्रो. प्रकाश पापड़ीवाल को 'एस.एल.एस. लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' से नवाजा गया

छत्रपति संभाजीनगर. शाबाश इंडिया

'सोसायटी ऑफ लाइफ साइंसेस' की ओर से वर्ष 2026 का प्रतिष्ठित लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड प्रो. प्रकाश बाबूलाल पापड़ीवाल को प्रदान किया गया। प्रो. पापड़ीवाल डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के पूर्व प्राध्यापक हैं। उन्हें यह सम्मान जीव विज्ञान, विशेष रूप से वनस्पति विज्ञान के क्षेत्र में उनके दीर्घकालीन शैक्षणिक योगदान, उत्कृष्ट शोध कार्य और समर्पण के लिए दिया गया है।

राष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मान समारोह

यह गौरवशाली सम्मान डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग में आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान प्रदान किया गया। सोसायटी के महासचिव प्रो. शिवेश प्रताप सिंह ने प्रो. पापड़ीवाल को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति

इस अवसर पर शैक्षणिक जगत की कई नामचीन हस्तियां उपस्थित रहीं, जिनमें मुख्य रूप से शामिल थे:

डॉ. नीरज कुमार: अध्यक्ष, सोसायटी पुरस्कार समिति।
प्रो. भगवान साखळे: विभागाध्यक्ष, रसायन प्रौद्योगिकी।
डॉ. सुनीता बोर्डे: विभागाध्यक्ष, प्राणीशास्त्र।
अन्य विशिष्ट अतिथि: प्रो. जी.डी. खेडकर, प्रो. आर.पी. चोंडेकर, और प्राचार्य राम चव्हाण।

विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत

सम्मेलन में देश भर से आए प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित थे। वक्ताओं ने प्रो. पापड़ीवाल के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनका शोध कार्य आने वाली पीढ़ी के वनस्पति शास्त्रियों और शोधकर्ताओं के लिए एक मार्गदर्शक स्तंभ की तरह है।

इस उपलब्धि पर औरंगाबाद के सामाजिक कार्यकर्ताओं नरेंद्र अजमेरा और पियुष कासलीवाल सहित शहर के प्रबुद्धजनों ने प्रो. पापड़ीवाल को बधाई देते हुए इसे शहर के लिए गौरव का विषय बताया है।

महाशिवरात्रि महोत्सव एवं श्री अखंड रामायण महायज्ञ सम्पन्न

मुंबई के संभाजी नगर, चेंबूर स्थित श्री नागेश्वर धाम में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर श्री नागेश्वर महादेव मंदिर सेवा समिति ट्रस्ट (रजि.) द्वारा तुलसीकृत श्रीरामचरितमानस अखंड पाठ, हवन महायज्ञ एवं महाप्रसाद का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में मानस परिवार सेवा ट्रस्ट (रजि.) के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद पांडे, मुंबई अध्यक्ष सूर्य कुमार तिवारी, मुंबई उपाध्यक्ष योगेश पाठक, महासचिव शुभम मिश्रा सहित समस्त पदाधिकारियों एवं मानस भक्तों की विशेष भूमिका रही। इस अवसर पर संतोष तिवारी, पत्रकार अनुराग त्रिपाठी, पत्रकार एवं साहित्यकार लक्ष्मीकांत नयन, मृत्युंजय ठाकुर, सूर्य कुमार तिवारी, योगेश पाठक, शुभम मिश्रा, संतोष दुबे सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान संस्था के अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों द्वारा किया गया। पूरा आयोजन श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक वातावरण से ओतप्रोत रहा।

जीवन का अटल सत्य

समय ही सबसे बड़ा बलवान है...

लेखक: नितिन जैन
(संयोजक – जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल)

''मनुज बली नहिं होत है, समय होत बलवान।
भिल्लन लूटीं गोपिका, वही अर्जुन वही बान।।''

यह दोहा जीवन के उस शाश्वत सत्य को प्रकट करता है जिसे हम जानते तो हैं, पर प्रायः स्वीकार नहीं कर पाते। मनुष्य अक्सर अपने बाहुबल, तीक्ष्ण बुद्धि, अपार धन, ऊँचे पद और प्रतिष्ठा पर गर्व करता है। लेकिन समय का चक्र घूमते ही यह सब क्षणभर में मिट्टी में मिल सकता है। वास्तव में, व्यक्ति की शक्ति स्वयं की नहीं, बल्कि उसके 'अनुकूल समय' की होती है।

अर्जुन का प्रसंग: पराक्रम और समय का खेल

महाभारत के महानायक अर्जुन केवल एक योद्धा नहीं, बल्कि पराक्रम और दक्षता के शिखर पुरुष थे। गांडीव धनुष और दिव्य बाणों के साथ उन्होंने असंभव को संभव कर दिखाया था। स्वयं देवताओं ने भी उनकी वीरता का लोहा माना। परंतु, जब समय ने करवट ली, तो वही महाबली अर्जुन साधारण भिल्लों के सामने असहाय हो गए। न उनका गांडीव काम आया और न ही उनके दिव्य अस्त्र। यह घटना हमें आत्ममंथन के लिए प्रेरित करती है कि मनुष्य का सामर्थ्य भी समय की छाया में ही फलता-फूलता है।

अहंकार से मुक्ति की प्रेरणा

यह प्रसंग हमें अहंकार से दूर रहने की सीख देता है। जब समय अनुकूल होता है, तो व्यक्ति को भ्रम हो जाता है कि सब कुछ उसके परिश्रम और योग्यता का ही फल है। वह यह भूल जाता है कि परिस्थितियाँ उसके पक्ष में थीं। इसके विपरीत, जब समय प्रतिकूल होता है, तो वही व्यक्ति निराश होकर स्वयं को कोसने लगता है। सच तो यह है कि समय का चक्र ही जीवन का सबसे बड़ा नियंता है।

धैर्य और विनम्रता का मार्ग

समय हमें सिखाता है कि सफलता स्थायी नहीं है और असफलता अंतिम नहीं। जिस प्रकार दिन के बाद रात और रात के बाद पुनः प्रभात का आना निश्चित है, उसी प्रकार सुख और दुःख भी जीवन के दो अविभाज्य पहलू हैं। यदि हम अच्छे समय में विनम्र रहें और कठिन समय में धैर्य रखें, तो हम जीवन की हर चुनौती को संतुलन के साथ जी सकते हैं।

कर्म की प्रधानता

इस दोहे का एक और गहरा निहितार्थ है—मनुष्य को अपने कर्म पर एकाग्र रहना चाहिए, न कि केवल फल पर। फल तो समय की परिपक्वता के अनुसार ही प्राप्त होता है। अर्जुन का पराक्रम समाप्त नहीं हुआ था, परंतु समय की अनुकूलता समाप्त हो गई थी। हमारी योग्यता तभी तक प्रभावी और फलदायी है, जब तक समय हमारा साथ दे रहा है।

जीवन का वास्तविक मूल्यांकन

अक्सर हम दूसरों की वर्तमान स्थिति को देखकर उनका मूल्यांकन कर लेते हैं। किसी को कमजोर, किसी को असफल तो किसी को तुच्छ मान लेते हैं। हमें कभी नहीं भूलना चाहिए कि 'कालचक्र' निरंतर गतिशील है। आज जो शिखर पर है, वह कल तलहटी में हो सकता है और आज जो संघर्षरत है, वह कल सफलता की ऊँचाइयों को छू सकता है। अतः यह दोहा केवल एक पौराणिक कथा का उल्लेख नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक जीवन-दर्शन है। यह हमें विनम्रता, संयम और समय के प्रति सम्मान की शिक्षा देता है। समय के सामने किसी का बल नहीं चलता। इसलिए अपने 'बल' का नहीं, बल्कि अपने 'चरित्र' और 'कर्म' का निर्माण कीजिए, क्योंकि अंततः वही आपके साथ रहेगा।

क्षेत्रीय अधिवेशन में जैन मिलन सेंट्रल अशोकनगर का परचम, मिले अनेकों सम्मान

अशोकनगर. शाबाश इंडिया। भारतीय जैन मिलन क्षेत्र-12 का रजत जयंती वार्षिक क्षेत्रीय अधिवेशन रविवार को पावन तीर्थक्षेत्र खंदारजी, चंदेरी में जैन मिलन चंदेरी के आतिथ्य में भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में उत्कृष्ट संगठनात्मक एवं सामाजिक गतिविधियों के लिए जैन मिलन सेंट्रल अशोकनगर को सर्वश्रेष्ठ शाखा के प्रतिष्ठित सम्मान से नवाजा गया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष सचिन जैन बारी को श्रेष्ठ शाखा अध्यक्ष एवं शाखा मंत्री सचिन जैन सर्राफ को सर्वश्रेष्ठ शाखा मंत्री के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वहीं बैनर प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर भी शाखा को सम्मान मिला। लकी ड्रॉ में विजेता रहे जितेन्द्र जैन को पुरस्कृत किया गया। व्यक्तिगत सम्मान की श्रेणी में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष जैन कैंची, संयुक्त मंत्री महेंद्र जैन एवं आनंद गांधी तथा राष्ट्रीय मार्गदर्शक प्रमोद जैन छाया को भी सम्मानित किया गया। शाखा मंत्री सचिन जैन सर्राफ ने जानकारी देते हुए बताया कि समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी संस्था भारतीय जैन मिलन के क्षेत्र संख्या-12 के इस अधिवेशन में राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय पदाधिकारियों सहित क्षेत्र की सभी शाखाओं, महिला जैन मिलन एवं युवा जैन मिलन इकाइयों के अध्यक्ष-मंत्री और 250 से अधिक सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः ध्वजारोहण से हुआ। इसके पश्चात चित्र अनावरण, दीप प्रज्ज्वलन एवं महावीर प्रार्थना के साथ अधिवेशन का विधिवत उद्घाटन किया गया। अधिवेशन में क्षेत्र की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए संस्था की गतिविधियों, उपलब्धियों एवं आगामी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। अधिवेशन में भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय विशिष्ट संरक्षक विजय जैन (गुना) समारोह गौरव के रूप में तथा राष्ट्रीय मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष नरेशचंद जैन (देहरादून) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र जैन राजकमल, राष्ट्रीय महामंत्री अजय जैन (सहारनपुर), राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष जैन कैंची एवं विनय जैन एडवोकेट तथा राष्ट्रीय मंत्री नरेश जैन (अशोकनगर) अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रमोद चौधरी (गुना) ने की तथा क्षेत्रीय मंत्री प्रणय जैन (गंजबासौदा) ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह गौरव विजय जैन ने अपने उद्बोधन में शाखाओं में युवाओं की सक्रिय भागीदारी बढ़ाने पर जोर देते हुए समाज की सभी इकाइयों को साथ लेकर पीड़ित मानवता की सेवा के संकल्प को और मजबूत करने का आह्वान किया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

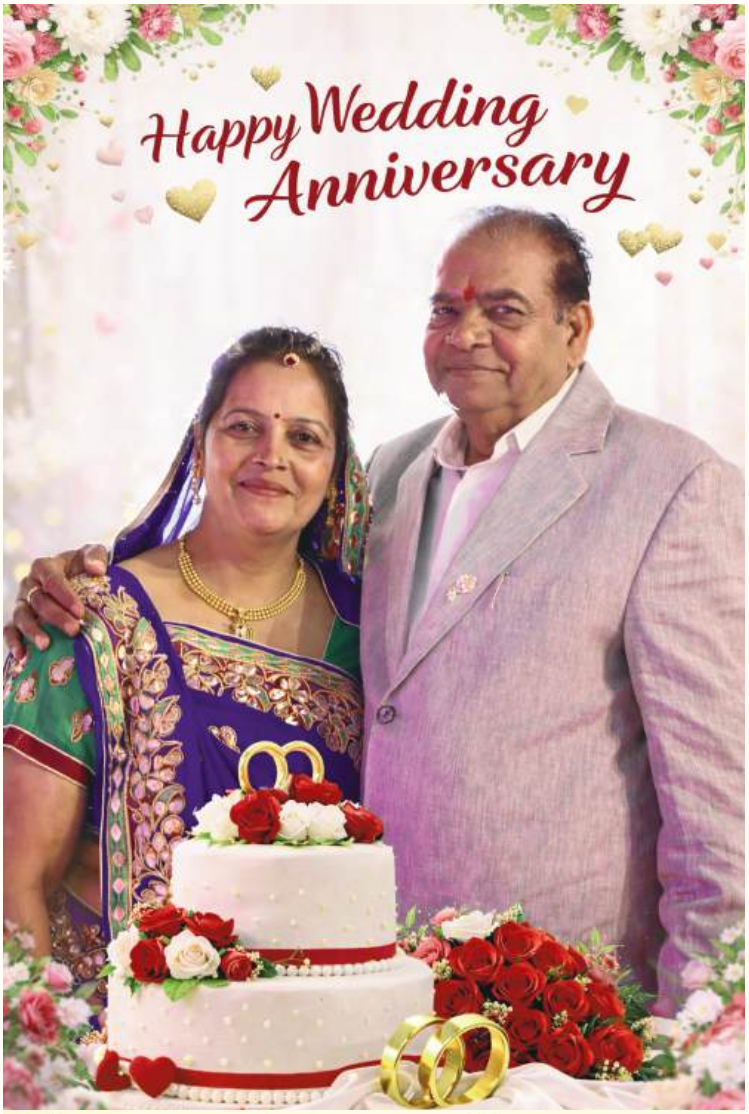

20 फरवरी

संगिनी फॉर एवर ग्रुप की प्रचार प्रसार मंत्री एवं दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल की धार्मिक मंत्री

श्रीमती बीना जी
श्रीमान तेज करन जी शाह

को वैवाहिक वर्षगांठ की बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनायें

शुभेच्छु
शकुंतला जैन बिंदायका, अध्यक्ष
सुनीता गंगवाल, सचिव उर्मिला जैन, कोषाध्यक्ष
एवं समस्त सदस्य दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप संगिनी फॉर एवर

नई दिशा संस्थान द्वारा 'एजुकेशन एक्सीलेंस अवार्ड 2026' का आयोजन कल; 50 से अधिक शिक्षाविदों का होगा सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और छात्र कल्याण को समर्पित 'नई दिशा संस्थान' द्वारा आगामी 21 फरवरी 2026 को 'एजुकेशन एक्सीलेंस अवार्ड 2026' का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम जयपुर के टोंक रोड स्थित होटल सरोवर प्रीमियर में आयोजित होगा, जहाँ प्रदेश के 50 से अधिक प्रतिष्ठित शिक्षाविदों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा।

छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए समर्पित है संस्थान

नई दिशा संस्थान के निदेशक अर्पित जैन (बडजात्या) ने बताया कि संस्थान का मुख्य उद्देश्य शिक्षा के स्तर में सुधार और छात्रों का मार्गदर्शन करना है। संस्थान द्वारा छात्रों को उच्च शिक्षा हेतु सही कॉलेज और यूनिवर्सिटी के चयन, सुरक्षित वातावरण, विभिन्न छात्रवृत्तियों (स्कॉलरशिप) की जानकारी और करियर काउंसलिंग जैसी सेवाएं निशुल्क प्रदान की जाती हैं।

इन प्रतिष्ठित विद्यालयों के प्रतिनिधियों का होगा सम्मान

कार्यक्रम के दौरान जयपुर के विभिन्न विद्यालयों के संस्था प्रधानों और प्रतिनिधियों को सम्मानित किया जाएगा। इसमें प्रमुख रूप से एसआरएन इंटरनेशनल, रयान इंटरनेशनल, रावत, सैंड ड्यून्स, विवेक टेक्नो, नारायणा ई टेक्नो, एस जे पब्लिक, महावीर पब्लिक, सुबोध, विद्या आश्रम, माहेश्वरी पब्लिक, भवानी निकेतन, वी एस पी के, डकलिंग, डॉल्फिन्स हाई, सैंट सोल्जर, सैंट विल्फ्रेड, श्री चैतन्य, रिया इंटरनेशनल, अल्फा एकेडमी, एंजेल कॉन्वेंट, सहयोग स्कूल, विमुक्ति, नितिन, राजवंश, आकाशदीप, तिलक पब्लिक, आर्किड सेंट्रल, एम एन मॉडर्न, रोज एकेडमी, ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल, स्नेह पब्लिक और माउंट लिट्रा जी जैसे विद्यालय शामिल हैं।

विशिष्ट सत्र: एविएशन में करियर और स्वास्थ्य जागरूकता

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. ईश्वर सिंह (डायरेक्टर, इंडस यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद) होंगे। वे शिक्षा के माध्यम से उभरते नए अवसरों, विशेषकर एविएशन (विमानन) के क्षेत्र में उपलब्ध नए कोर्सेस और रोजगार की संभावनाओं पर प्रकाश डालेंगे। इसके अतिरिक्त, छात्रों और शिक्षकों के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य पर चर्चा करने हेतु नारायणा हॉस्पिटल से डॉ. वैभव माथुर और डॉ. इंदिरा सरीन विशेष सत्र को संबोधित करेंगे। संस्थान ने घोषणा की है कि किसी भी छात्र या अभिभावक के लिए करियर काउंसलिंग की सुविधा पूरी तरह निशुल्क है। इच्छुक व्यक्ति उच्च शिक्षा और करियर मार्गदर्शन के लिए सीधे 'नई दिशा संस्थान' से संपर्क कर सकते हैं।

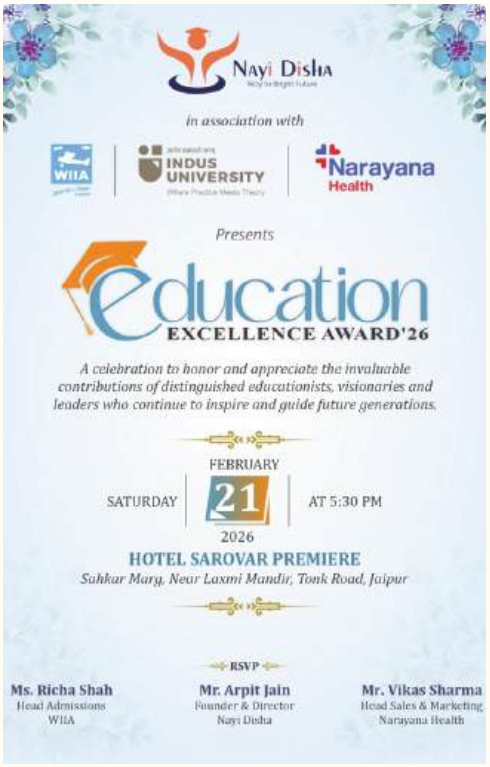

चन्द्रोदय तीर्थ चांदखेड़ी में आर्यिका चिन्मयमति माताजी के सानिध्य में पदयात्रा का भव्य स्वागत

चांदखेड़ी. शाबाश इंडिया। परम पूजनीय आर्यिका 105 श्री चिन्मयमति माताजी के सानिध्य में कड़ोदिया से चन्द्रोदय तीर्थ चांदखेड़ी स्थित भगवान आदिनाथ के चरणों में दर्शन हेतु निकाली गई पांच दिवसीय ऐतिहासिक पदयात्रा का तीर्थ क्षेत्र पहुंचने पर भव्य एवं भावपूर्ण स्वागत किया गया। इस पदयात्रा में 150 से अधिक श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। 15 फरवरी को प्रारंभ हुई यह पदयात्रा लगभग 70 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए 19 फरवरी को चन्द्रोदय तीर्थ क्षेत्र पहुंची।

जैसे ही पदयात्रा माताजी के सानिध्य में क्षेत्र के समीप पहुंची, पदयात्रियों का उत्साह देखते ही बनता था। भक्ति के उल्लास में झूमते श्रद्धालुओं की थकान मानो पलभर में दूर हो गई। तीर्थ क्षेत्र के प्रवेश द्वार पर मुख्य संयोजक विनोद जैन (सारोलाकलां), आहार-विहार संयोजक अनिल जैन, महावीर जैन (कालू), पवन जैन (गोलू), कमल जैन (लीमी), महिला महासमिति अध्यक्ष श्रीमती निशा जैन सहित साक्षी जैन, गायत्री जैन, रेखा जैन, स्नेहलता जैन, रुचि जैन, लीला जैन, अनिता जैन एवं अन्य स्थानीय समाजजनों ने गुरु मां का पादप्रक्षालन कर अगवानी की। समस्त पदयात्रियों का तिलक लगाकर एवं मालाएं पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। इसके पश्चात जयकारों के साथ सभी पदयात्री भगवान आदिनाथ के चरणों में पहुंचे, जहां अभूतपूर्व भक्तिमय वातावरण में अभिषेक, पूजन एवं शांतिधारा कर भक्ति-आराधना की गई। इस पदयात्रा की विशेष बात यह रही कि कड़ोदिया के श्रद्धालुओं ने पूरे पांच दिनों तक अपने व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रखकर धर्म आराधना को समर्पित किया। बच्चे, युवा, बुजुर्ग एवं महिला शक्ति सभी ने तन-मन-धन से इस धार्मिक यात्रा में सहभागिता निभाई। साथ ही झालावाड़, झालरापाटन एवं आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कमेटी सदस्य प्रशांत जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि आर्यिका चिन्मयमति माताजी का कुछ समय तक प्रवास चन्द्रोदय तीर्थ चांदखेड़ी में ही रहेगा।

आगरा में शिवाजी जयंती पर अंतर्राष्ट्रीय हिंदू महासंघ की भव्य वाहन रैली; कार्यकर्ताओं ने लिया संकल्प

आगरा (संजय सिंह)

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू महासंघ भारत (उत्तर प्रदेश इकाई) द्वारा गुरुवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के उपलक्ष्य में शहर में भव्य वाहन रैली एवं झांकी का आयोजन किया गया। यह रैली प्रदेश अध्यक्ष सुमित कटियार एवं प्रदेश महामंत्री गोपाल सिंह चाहर के संयुक्त नेतृत्व में निकाली गई। प्रातः 11 बजे नौबस्ता लोहा मंडी स्थित गोपेश्वर की बगीची से प्रारंभ हुई यह रैली जयपुर हाउस, पंचकुइयां, कलेक्ट्रेट और छीपी टोला होते हुए बिजलीघर चौराहा पहुंची। यहाँ स्थित शिवाजी चौक पर कार्यकर्ताओं ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने शिवाजी महाराज को राष्ट्रनिष्ठा और अद्वितीय सैन्य कौशल का प्रतीक बताया। सुमित कटियार और गोपाल सिंह चाहर ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए समाज में व्याप्त चुनौतियों पर चर्चा की। उन्होंने 'लव जिहाद' और धर्मांतरण जैसे मुद्दों पर चिंता व्यक्त करते हुए हिंदू समाज से जागरूक रहने की अपील की। संगठन के पदाधिकारियों ने वर्तमान सामाजिक और भौगोलिक परिवर्तनों का उल्लेख करते हुए हिंदुओं से अपने पारिवारिक मूल्यों को सुदृढ़ करने और जनसंख्या संतुलन के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। महानगर अध्यक्ष हर्ष कटियार के संचालन में हुए इस कार्यक्रम में रेखा राघव, गीता जैन, विनोद गौतम, कृष्ण कुमार, रौनक दीक्षित, विकास कुमार, आयुष चाहर, विमल प्रजापति और नितिन गोस्वामी सहित संगठन के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नन्हे बच्चों के लिए जे.के. लोन अस्पताल में 30 बिस्तरों का अत्याधुनिक रोटरी सिटीजन थैलेसीमिया उपचार केंद्र बनेगा

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान के सबसे बड़े राजकीय शिशु चिकित्सालय जे.के. लोन में रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन द्वारा थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए 30 बिस्तरों का अत्याधुनिक उपचार केंद्र स्थापित किया जाएगा। इस महत्त्वपूर्ण परियोजना का भूमि पूजन आज प्रातः विधिवत रूप से संपन्न हुआ।

बढ़ती आवश्यकताओं को देखते हुए क्लब की पहल

क्लब अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने बताया कि चिकित्सालय में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए यह केंद्र अत्यंत सहायक सिद्ध होगा। क्लब के चार्टर अध्यक्ष सुधीर जैन ने कहा कि वर्तमान में इस रोग से पीड़ित बच्चों की संख्या बढ़ रही है और चिकित्सालय में उपलब्ध बिस्तर कम पड़ रहे थे। ऐसे में क्लब द्वारा यह प्रयास अत्यंत सराहनीय और समय के अनुकूल है।

सवा करोड़ की लागत से होगा निर्माण

इस परियोजना के मुख्य संयोजक नीरज गंगवाल ने बताया कि रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन सदैव पीड़ित मानवता की सेवा के लिए संकल्पित रहता है। इसी उद्देश्य के अंतर्गत क्लब द्वारा इस वर्ष जे.के. लोन चिकित्सालय में थैलेसीमिया पीड़ितों के लिए अत्याधुनिक वार्ड और लिफ्ट का करीब 1.25 करोड़ की लागत से निर्माण कराया जा रहा है। इससे उन बच्चों को बड़ी राहत मिलेगी जिन्हें नियमित रूप से रक्त चढ़ाने और विशेष चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता होती है।

सहयोग और व्यवस्था

क्लब सचिव आशीष बैद ने बताया कि इस सामाजिक कार्य में क्लब सदस्य आर.के. कोगटा की कोगटा संस्था का विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है। यह केंद्र भविष्य में बच्चों के उपचार, देखभाल और नियमित रक्त संचार प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित, सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

चिकित्सा जगत के विशेषज्ञों की उपस्थिति

क्लब के कोषाध्यक्ष अजय जैन ने जानकारी दी कि भूमि पूजन समारोह में चिकित्सा महाविद्यालय के अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. राकेश जैन, डॉ. मोनिका जैन, चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. आर.एन. सेहरा, शिशु रोग विभागाध्यक्ष डॉ. कैलाश मीणा एवं डॉ. कपिल गर्ग सहित क्लब के वरिष्ठ सदस्य अमित अग्रवाल, प्रमोद जैन, मोहित अग्रवाल, नरेंद्र मित्तल आदि उपस्थित रहे और इस सेवा कार्य की सराहना की।

'कलांकित' मिस, मिसेज और टीन इथिरियल राजस्थान इंटरनेशनल 2026 का पोस्टर व मुकुट विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

युवा युवतियों और महिलाओं को फैशन, कला, आभूषण पर्यटन, विमानन सेवाओं और फिल्म जगत में आत्मसम्मान के साथ नई पहचान दिलाने के उद्देश्य से एक भव्य आयोजन की रूपरेखा तैयार की गई है। होटल बेला कासा में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में 'कलांकित (कला को जीवंत करना)' मिस, मिसेज और टीन राजस्थान इंटरनेशनल 2026 के पोस्टर और विजेताओं के मुकुट (क्राउन) का विमोचन किया गया।

प्रतिष्ठित अतिथियों ने बढ़ाई गरिमा

मुख्य आयोजक बसंत जैन बैराठी ने बताया कि कार्यक्रम में आरएमसी स्विचगियर के अध्यक्ष श्री अशोक अग्रवाल, राजस्थान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग फॉर वुमेन के निदेशक अरिहंत खींचा, पावर के निदेशक ए.के. जैन, सेवानिवृत्त आईएफएस व समाजसेवी अजय गुप्ता और ट्रिप फैक्ट्री के निदेशक गणेश चौधरी सहित कई गणमान्य अतिथियों ने पोस्टर और मुकुट का अनावरण किया।

चयन प्रक्रिया और प्रशिक्षण

मुख्य समन्वयक नरेंद्र उपाध्याय ने बताया कि इस प्रतियोगिता का अंतिम चरण (फिनाले) अप्रैल में आयोजित होगा। इसके लिए राजस्थान और राज्य के बाहर रहने वाली युवतियां और महिलाएं पंजीकरण करा सकती हैं। **चयन प्रक्रिया:** प्रारंभिक चयन के बाद 50 प्रतिभागियों को सेमीफाइनल के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। **अंतिम चरण:** इनमें से श्रेष्ठ 30 प्रतिभागियों को फाइनल के लिए चुना जाएगा, जिन्हें विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा संवारा और प्रशिक्षित किया जाएगा।

अतिथियों के विचार

अशोक अग्रवाल: उन्होंने आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

अरिहंत खींचा: उन्होंने अपने संस्थान में कार्यक्रम के आयोजन हेतु हर संभव सुविधाएं देने और छात्राओं को इस मंच से जोड़ने का आश्वासन दिया।

अजय गुप्ता: उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों की

प्रतिभाओं को आगे लाने के लिए विशेष प्रयास करने पर जोर दिया।

ए.के. जैन: उन्होंने विश्वास दिलाया कि यह आयोजन पूरी तरह निष्पक्ष होगा और महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण में संपन्न होगा।

पूर्व विजेताओं का अनुभव

वर्ष 2025 की विजेता निशा झाझड़िया ने बताया कि इस मंच ने उन्हें समाज और उद्योग जगत में एक नई पहचान दिलाई है, जिससे उन्हें लगातार मॉडलिंग के अवसर मिल रहे हैं। कार्यक्रम में प्रशिक्षक वैष्णवी सुथार, संयोजक स्वग्रही माओ, सोनी मिश्रा, प्रसिद्ध गायिका ममता शाह और कई शहरों से आए प्रतिभागी उपस्थित रहे।

पंजीकरण की जानकारी

इच्छुक प्रतिभागी तीनों श्रेणियों में पंजीकरण के लिए **jainbasant02@gmail.com** पर ईमेल कर सकते हैं या मोबाइल नंबर 8114417253 पर संपर्क कर सकते हैं।

बल्केश्वर के नवनिमार्णाधीन सर्वतोभद्र जिनालय में माता मरूदेवी की गोद भराई की मांगलिक क्रियाएं संपन्न

आगरा. शाबाश इंडिया

आगरा के बल्केश्वर स्थित आलोक नगर में नवनिमार्णाधीन श्री सर्वतोभद्र जिनालय परिसर में 'श्री आदिनाथ जिनबिंब पंचकल्याणक महोत्सव' का आयोजन किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में गुरुवार को ''माता मरूदेवी की गोद भराई'' का पावन और गरिमामयी समारोह अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। यह धार्मिक अनुष्ठान श्री सर्वतोभद्र जिनालय ट्रस्ट के तत्वावधान में पूज्य उपाध्याय श्री विहसंतसागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में आयोजित हुआ। समारोह का शुभारंभ चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन और मंगलाचरण के साथ किया गया। श्रद्धालुओं को महाराज श्री के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य प्राप्त हुआ, जिससे वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो उठा।

भक्तिमय मंगल गीतों से गूंजा परिसर

सर्वतोभद्र बल्केश्वर जैन महिला मंडल एवं समग्र महिला मंडल की सदस्यों ने पारंपरिक मंगल गीतों की मधुर प्रस्तुति दी। तीर्थंकर बालक आदिकुमार की माता मरूदेवी की गोद भराई की मांगलिक क्रियाएं पूर्ण विधि-विधान से संपन्न कराई गईं। श्रद्धालुओं ने फल, मेवा और पूजन सामग्री अर्पित कर धर्म लाभ प्राप्त किया।

पिता नाभिराय का भव्य सम्मान

समारोह के दौरान तीर्थंकर के पिता 'नाभिराय' की भूमिका निभा रहे श्री पारसमल जैन का आयोजक समिति द्वारा भव्य स्वागत किया गया। उन्हें माला एवं साफा पहनाकर सम्मानित किया गया। उपस्थित जनसमुदाय ने करतल ध्वनि (तालियों) के साथ उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन अंकेश जैन द्वारा किया गया, जबकि संपूर्ण व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सर्वतोभद्र जैन महिला मंडल ने बखूबी संभाली। इस अवसर पर सुमेर पांडया, राजीव जैन, रजत जैन, पंकज जैन, विष्णु जैन, राजेंद्र जैन, मनीष जैन, नीरज कुमार जैन, मधु जैन कंसल, ऊषा, बीना जैन, बबीता जैन सहित बड़ी संख्या में आगरा जैन समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। यह भव्य समारोह श्रद्धा, जैन संस्कृति और सामाजिक एकता का अनुपम उदाहरण बनकर उभरा है।

पीएम श्री योजनाः ''ट्यूनिंग ऑफ स्कूल'' के तहत भवानी खेड़ा के विद्यार्थियों ने किया केंद्रीय विद्यालय नसीराबाद का भ्रमण

नसीराबाद (रोहित जैन)

पीएम श्री योजना के अंतर्गत ''ट्यूनिंग ऑफ स्कूल'' गतिविधि के तहत एक प्रेरणादायक शैक्षिक आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके तहत पीएम श्री राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, भवानी खेड़ा (नरवर, अजमेर) के 30 विद्यार्थियों एवं 4 शिक्षकों ने 19 फरवरी 2026 को पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, नसीराबाद का शैक्षिक भ्रमण किया।

अनुशासन और प्रार्थना सभा का जीवंत प्रदर्शन

आगमन पर विद्यालय के पीएम श्री प्रभारी रंजीत कुमार एवं विद्यार्थियों ने अतिथि दल का आत्मीय स्वागत किया। केंद्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने एक विशेष प्रार्थना सभा का मंचन किया। इसके माध्यम से आगंतुक छात्र-छात्राओं को सुव्यवस्थित प्रार्थना, समाचार वाचन और नैतिक संदेशों के माध्यम से अनुशासन व नेतृत्व कौशल के विकास की प्रक्रिया को समझाया गया।

आधुनिक संसाधनों और नवाचारों का अवलोकन

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विज्ञान और कंप्यूटर प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय तथा खेल मैदान का अवलोकन किया।

प्राथमिक विभागः मुख्य अध्यापक अजय कुमार ने खेल पिटारा, टॉय लाइब्रेरी और एफएलएन गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैसे खेल-खेल में बच्चों की तार्किक क्षमता और रचनात्मकता को निखारा जाता है।

शैक्षणिक गतिविधिः कक्षा 5 के छात्रों ने नवाचार आधारित शिक्षण पद्धति का प्रदर्शन किया, जो आगंतुक विद्यार्थियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

योग एवं शारीरिक शिक्षा का महत्व

शारीरिक शिक्षक सदिश शर्मा व योग शिक्षक कपिल दाबले ने विद्यार्थियों को विभिन्न योगासन कराए और उनके स्वास्थ्य लाभों से अवगत कराया। खेल शिक्षक द्वारा पीटी (शारीरिक प्रशिक्षण) का अभ्यास कराया गया, जिससे विद्यार्थियों में टीम भावना और शारीरिक सुदृढ़ता का संदेश गया।

प्राचार्य का संबोधनः सर्वांगीण विकास ही लक्ष्य

कार्यक्रम के समापन पर प्राचार्य रमेश चंद्र मीणा ने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारण और सतत प्रयास के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे शैक्षिक भ्रमण विद्यालयों के मध्य अनुभवों को साझा करने और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करने का सशक्त माध्यम हैं।

आभार व्यक्त किया

अंत में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय भवानी खेड़ा के स्टाफ ने केंद्रीय विद्यालय परिवार का इस ज्ञानवर्धक आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया। यह कार्यक्रम पीएम श्री योजना के उद्देश्यों को साकार करने की दिशा में एक सराहनीय पहल सिद्ध हुआ।

आप चाहें तो अपने जीवन को सही राह पर ले जा सकते हैंः मुनिश्री

पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन 'आदित्य' के पिता मुनिश्री विष्णु सागर जी महाराज को दी गई विनयांजलि

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। जीवन का उपसंहार यदि जैनेश्वरी दीक्षा के साथ हो और संत सान्निध्य में संलेखना पूर्वक समाधि प्राप्त हो, तो इससे बड़ा सौभाग्य इस मनुष्य जन्म में कुछ नहीं हो सकता। यह जैन दर्शन की वह विशेषता है जिसे हमारे चहेते पूर्व केंद्रीय मंत्री आदरणीय बाबूजी (श्री विष्णु कुमार जी) ने मुनिश्री विष्णु सागर जी महाराज बनकर चरितार्थ किया। उनके इस महान त्याग से समूची झांसी गौरवान्वित हुई है। उक्त उद्गार झांसी-ललितपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद अनुराग शर्मा ने मुनिश्री विष्णु सागर जी महाराज को विनयांजलि अर्पित करते हुए व्यक्त किए।

विनयांजलि सभा का गरिमामयी शुभारंभ

सभा का शुभारंभ आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज एवं मुनिश्री के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य, मध्य प्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा (अशोक नगर), करगुआ तीर्थ क्षेत्र कमेटी के मंत्री शिरोमणि जैन, पूर्व मंत्री ओम प्रकाश रिछारिया सहित कई प्रमुख जन उपस्थित रहे।

जीवन के मंदिर पर कलश स्थापना की तरह है समाधि

अशोक नगर जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने भावुक होते हुए कहा कि बाबूजी ने प्रदीप आदित्य के रूप में एक ऐसे पुत्र को जन्म दिया जिसने केंद्रीय मंत्री बनकर समाज का नाम रोशन किया, लेकिन स्वयं पिता जी ने अंतिम समय में जैनेश्वरी दीक्षा लेकर संपूर्ण मानवता को गौरवान्वित किया। समाधि पूर्वक देह का त्याग मानव जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

मुनिश्री का संदेशः स्वयं को खाली करना ही मार्ग है

सभा के अंत में उपस्थित मुनिश्री ने संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य यदि संकल्प करे तो अपने जीवन को सही राह पर ले जा सकता है। विष्णु कुमार जी की भावनाएं अत्यंत निर्मल थीं, वे पिच्छिका ग्रहण करने के इच्छुक थे और उनके परिवार ने भी इसमें पूर्ण सहयोग किया। मानव जीवन का सर्वश्रेष्ठ कार्य स्वयं के मोह-माया को खाली करते हुए मुनि दीक्षा ग्रहण करना है, जो विष्णु सागर जी महाराज को प्राप्त हुई।

दृढ़ता से ही संभव है संयम का मार्ग

विश्व संगठन के संजय जैन और एडवोकेट गौरव जैन ने कहा कि बाबूजी ने यह सिद्ध कर दिया कि यदि मन में दृढ़ता हो तो संयम का कठिन मार्ग भी सुलभ हो जाता है। गृहस्थ जीवन से अपरिग्रह की ओर बढ़ना ही मुक्ति का मार्ग है। इस दौरान पूर्व सांसद चंद्रपाल सिंह यादव, अनेक पूर्व विधायक और विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने उपस्थित होकर अपनी विनयांजलि अर्पित की।

मुमुक्षु मुन्नालाल जी टकसाली की भव्य गोद भराई संपन्न; 22 फरवरी को पदमपुरा में लेंगे जैनेश्वरी दीक्षा

जयपुर. शाबाश इंडिया

चौड़ा रास्ता स्थित दिगंबर जैन मंदिर बाई जी कुशलमती जी में आज भक्ति और वैराग्य का अनूठा संगम देखने को मिला। मंदिर की प्रबंध कार्यकारिणी समिति और समस्त मंदिर परिवार द्वारा मुमुक्षु श्री मुन्नालाल जी टकसाली का भव्य 'गोद भराई' कार्यक्रम अत्यंत हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

बैंड-बाजों के साथ भव्य अगवानी

मुमुक्षु श्री मुन्नालाल जी को चौड़ा रास्ता से बैंड-बाजों और मंगल ध्वनियों के साथ ससम्मान मंदिर जी लाया गया। इस दौरान वातावरण आदिनाथ भगवान की जय और गुरुवर के जयकारों से गूंज उठा। समाज के लोगों ने नाचते-गाते हुए मुमुक्षु श्री की वैराग्य भावना की सराहना की।

पदमपुरा में होगा दीक्षा महोत्सव

श्री टकसाली जी को आगामी 22 फरवरी 2026 को प्रातः 8:30 बजे अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में वात्सल्य वारिधि आचार्य भगवन वर्धमान सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में 'मुनि दीक्षा' प्रदान की जाएगी। आज का गोद भराई कार्यक्रम इसी दीक्षा महोत्सव की पूर्व मांगलिक क्रियाओं का हिस्सा था।

गणमान्य जनों की गरिमामयी उपस्थिति

समारोह में सकल जैन समाज के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इनमें मुख्य रूप से शामिल थे:

टकसाली परिवार: सतीश जी खंडाका, अशोक जी टकसाली।

विशिष्ट अतिथि: रमेश जी गंगवाल (सचिव, महावीर स्वामी मंदिर व प्रतिष्ठाचार्य), मन्नालाल सेठी (अध्यक्ष, मंदिर प्रबंध समिति)।

समिति सदस्य: नरेंद्र बाकलीवाल (सचिव), पूनम सेठी, जिनेंद्र सेठी, महावीर कुमार सेठी, सपना बाकलीवाल, रेखा सेठी, सुधीर सेठी, शैलेंद्र सेठी, अनीता तेरापंथ, सनी तेरापंथ और प्रधानाचार्य ऋचा जैन।

सम्मान और समापन

कार्यक्रम के अंत में मंदिर प्रबंध समिति के सचिव नरेंद्र बाकलीवाल ने सभी विशिष्ट अतिथियों और गणमान्य नागरिकों का तिलक लगाकर व बहुमान कर आभार व्यक्त किया। श्री आदिनाथ भगवान के सामूहिक जयकारों के साथ इस मांगलिक आयोजन का समापन हुआ।

शशि खण्डेलवाल की स्मृति में 1 मार्च को रक्तदान शिविर

राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर ने किया पोस्टर विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

समाजसेविका शशि खण्डेलवाल की पावन स्मृति में आगामी 1 मार्च को एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस पुनीत कार्य के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से सिक्किम के राज्यपाल श्री ओमप्रकाश माथुर ने शिविर के पोस्टर का विधिवत विमोचन किया।

राज्यपाल ने सराहा सेवा भाव

पोस्टर विमोचन के अवसर पर राज्यपाल श्री माथुर ने कहा कि रक्तदान महादान है और किसी की स्मृति में जीवन बचाने का यह उपक्रम अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने खण्डेलवाल परिवार और आयोजकों के इस सेवाभावी प्रयास की सराहना करते हुए समाज के युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करने का आान किया।

शिविर की तैयारियां पूर्ण

आयोजन समिति ने बताया कि शिविर को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। 1 मार्च को आयोजित होने वाले इस शिविर में विभिन्न संगठनों और गणमान्य व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त हो रहा है। शिविर का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना और शशि खण्डेलवाल जी के सेवाभावी जीवन को श्रद्धांजलि अर्पित करना है।

विशेष आग्रह

आयोजकों ने अपील की है कि स्वस्थ नागरिक इस महादान का हिस्सा बनकर मानवता की सेवा में अपना योगदान दें। शिविर के स्थान और समय की विस्तृत जानकारी जल्द ही साझा की जाएगी।

हिंदवी स्वराज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती धूमधाम से मनाई गई

मुंबई. शाबाश इंडिया। हिंदवी स्वराज्य के संस्थापक, वीरता एवं शौर्य के प्रतीक तथा मां भारती के सच्चे सपूत छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती मुंबई के कांदिवली स्थित ठाकुर कॉम्प्लेक्स में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर छत्रपति शिवाजी महाराज की विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम का आयोजन नगरसेविका स्वाति जायसवाल, भाजपा कांदिवली मंडल अध्यक्ष संजय जायसवाल एवं पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान पत्रकार एवं साहित्यकार लक्ष्मीकांत कमलनयन का नगरसेविका स्वाति जायसवाल एवं समाजसेवी सुनील तिवारी द्वारा सम्मान किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और शिवाजी महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर समाजसेवी सुनील तिवारी, सुधीर मिश्रा, रमेश यादव, श्वेता जैन सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में भाजपा कांदिवली मंडल अध्यक्ष संजय जायसवाल ने कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों एवं नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

मुनिश्री सद्भाव सागर जी के सानिध्य में 'गोलालारे जैन पारिवारिक पत्रिका' का विमोचन

अहमदाबाद (सोनल जैन)

गुजरात की औद्योगिक राजधानी अहमदाबाद में श्री दिगंबर गोलालारे जैन समाज द्वारा सामाजिक एकजुटता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। दिनांक 20 फरवरी 2026 को नारोल स्थित श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगंबर जैन चैत्यालय में पूज्य विशुद्धरत्न मुनिश्री 108 सद्भाव सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में समाज की 'पारिवारिक पत्रिका' का भव्य विमोचन संपन्न हुआ।

नारोल समाज द्वारा भव्य स्वागत

पत्रिका विमोचन के अवसर पर नारोल जैन समाज द्वारा गोलालारे जैन समाज की नवगठित कमेटी का उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। इस दौरान मुनिश्री ने अपने मंगल प्रवचन में सामाजिक पत्रिकाओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसी पहल से समाज के परिवारों के बीच परिचय और वात्सल्य भाव बढ़ता है।

प्रमुख पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति

विमोचन समारोह में गोलालारे जैन समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं गणमान्य सदस्यों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें मुख्य रूप से शामिल थे:

नारोल मंदिर कमेटी: जितेंद्र जैन, विमलेश जैन, अशोक कुमार जैन (चिलोगा वाले) एवं जितेंद्र कुमार जैन।

अहमदाबाद इकाई पदाधिकारी: नीरज जैन (अध्यक्ष), राजू जैन (उपाध्यक्ष, इसनपुर), दिलीप जैन (सचिव, इसनपुर)।

सामाजिक एकता का संदेश

कार्यक्रम के अंत में समाज के गणमान्य सदस्यों ने इस पत्रिका को समाज के प्रत्येक परिवार तक पहुँचाने का संकल्प लिया। अध्यक्ष नीरज जैन ने सभी अतिथियों और नारोल समाज का आभार व्यक्त किया। यह आयोजन अहमदाबाद में गोलालारे समाज की सक्रियता और एकता का परिचायक सिद्ध हुआ।

शोभायात्रा में गूंजे सनातन के जयकारे, मातृशक्ति ने सिर पर धारण किए मंगल कलश

भव्य कलश शोभायात्रा का पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत, संत-महात्माओं के सानिध्य में हुआ सनातन मंगल महोत्सव का शुभारंभ

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। धर्मनगरी भीलवाड़ा में गुरुवार को आठ दिवसीय सनातन मंगल महोत्सव एवं दीक्षा दान समारोह का भव्य शुभारंभ विशाल मंगल कलश शोभायात्रा के साथ हुआ। हरि शेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर में महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन महाराज के मार्गदर्शन में आयोजित इस धार्मिक आयोजन में मातृशक्ति सहित हजारों श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। प्रातः 9:15 बजे श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर से प्रारंभ हुई शोभायात्रा में 1008 मातृशक्ति सिर पर मंगल कलश धारण कर भक्ति भाव से शामिल हुईं। शोभायात्रा में भीलवाड़ा के प्रमुख संत-महात्माओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन महाराज के साथ सांसद दामोदर अग्रवाल, महामंडलेश्वर स्वामी हितेश्वरानंद महाराज, श्रीधाम वृंदावन के कथा व्यास डॉ. श्यामसुंदर पाराशर, महंत प्रकाशमुनी, स्वामी वेदानंद, संत सेवादास, संत श्रवण मुनि, महंत आसनदास, संत नरेश मुनि, महंत स्वरूपदास उदासीन, महंत हनुमानराम उदासीन सहित अनेक संत-महात्मा शोभायात्रा में शामिल हुए। शोभायात्रा में व्यासपीठ पर विराजित किए जाने वाले श्रीमद्भागवत ग्रंथ को संतों ने श्रद्धा के साथ अपने सिर पर धारण किया। गोल प्याऊ, सूचना केंद्र चौराहा, आजाद चौक एवं वीर सावरकर चौक होते हुए शोभायात्रा हरि शेवा आश्रम सनातन मंदिर स्थित विशाल कथा पांडाल पहुंची। शोभायात्रा के अग्रभाग में अश्वारोही धर्मध्वज लिए हुए चल रहा था, वहीं उसके पीछे दुपहिया वाहनों पर बेटियां भगवा ध्वज लेकर शामिल हुईं। मधुर भजनों की स्वर लहरियों के बीच दुर्गा शक्ति अखाड़ा की बेटियां धर्म ध्वज फहराते हुए आकर्षण का केंद्र रहीं। हजारों की संख्या में मातृशक्ति तीन-तीन की कतारों में वंदे मातरम्, जय श्रीराम एवं राधे-राधे के जयकारे लगाते हुए चल रही थीं। विशेष रूप से तैयार चुंदड़ी एवं पारंपरिक साड़ियों में सजी मातृशक्ति की भक्ति भावना देखते ही बन रही थी।

संयम और आत्मनियंत्रण: सफल जीवन के दो आधार स्तंभ

लेखक: अनिल माथुर (ज्वाला-विहार, जोधपुर)

मनुष्य का जीवन भावनाओं, इच्छाओं और परिस्थितियों के निरंतर उतार-चढ़ाव का नाम है। इन सबके बीच जो व्यक्ति स्वयं पर नियंत्रण रखना सीख लेता है, वही जीवन की सच्ची दिशा प्राप्त करता है। 'संयम' और 'आत्मनियंत्रण' वास्तव में एक-दूसरे के पूरक गुण हैं। जहाँ संयम हमारे बाहरी व्यवहार को संतुलित और मर्यादित बनाता है, वहीं आत्मनियंत्रण हमारे भीतर उठने वाली इच्छाओं और उद्वेगों को अनुशासित करने की आंतरिक शक्ति प्रदान करता है।

जड़ और फल का संबंध

संयम का अर्थ है—अपने विचारों, वाणी और व्यवहार में मयार्दा बनाए रखना। जब हम क्रोध, लोभ, मोह या अहंकार जैसी प्रबल भावनाओं पर अंकुश लगाते हैं, तो वह 'आत्मनियंत्रण' कहलाता है। यही आंतरिक अनुशासन जब हमारे आचरण में झलकता है, तो वह 'संयम' का रूप ले लेता है। इस प्रकार, आत्मनियंत्रण यदि संयम की जड़ है, तो संयम उसका मीठा फल।

आधुनिक युग में प्रासंगिकता

आज के भौतिकवादी युग में, जहाँ त्वरित सुख और उपभोग की होड़ मची है, मनुष्य अनियंत्रित इच्छाओं के जाल में उलझकर असंयमित होता जा रहा है। ऐसे समय में आत्मनियंत्रण की महत्ता और भी बढ़ जाती है। यदि व्यक्ति अपनी इच्छाओं को प्रबंधित करना सीख जाए, तो वह न केवल गलत निर्णयों से बच सकता है, बल्कि जीवन में स्थिरता भी प्राप्त कर सकता है।

वाणी का संयम: संबंधों में मिठास और आपसी समझ बनाए रखता है।

क्रोध पर नियंत्रण: अनावश्यक संघर्षों और मानसिक अशांति को टालने में सहायक होता है।

आध्यात्मिक एवं मानसिक दृष्टिकोण

आध्यात्मिक दृष्टि से भी साधना, तप और योग का मूल आधार यही दो गुण हैं। आत्मनियंत्रण से मन की शुद्धि होती है और संयम से जीवन अनुशासित बनता है। मनोविज्ञान में भी इसे 'इमोशनल इंटेलिजेंस' (संवेगात्मक बुद्धि) का अहम हिस्सा माना गया है, जो व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों में विचलित होने से रोकता है। संयम और आत्मनियंत्रण जीवन के वे दो सशक्त स्तंभ हैं, जिन पर सफलता, शांति और सम्मान की भव्य इमारत टिकी होती है।

जो व्यक्ति इन दोनों गुणों को अपने आचरण में उतार लेता है, वह परिस्थितियों का दास नहीं रहता, बल्कि अपने भाग्य का स्वयं स्वामी बन जाता है।